ISSN 2277 - 5331

हाशिये की आवाज़

संघर्षरत् लोगों की प्रथम मासिक पत्रिका

जून 2015 | वर्ष : 10 | अंक : 6 | कवर सहित पृष्ठों की सं. 44

भूमि अधिग्रहण अधिनियम

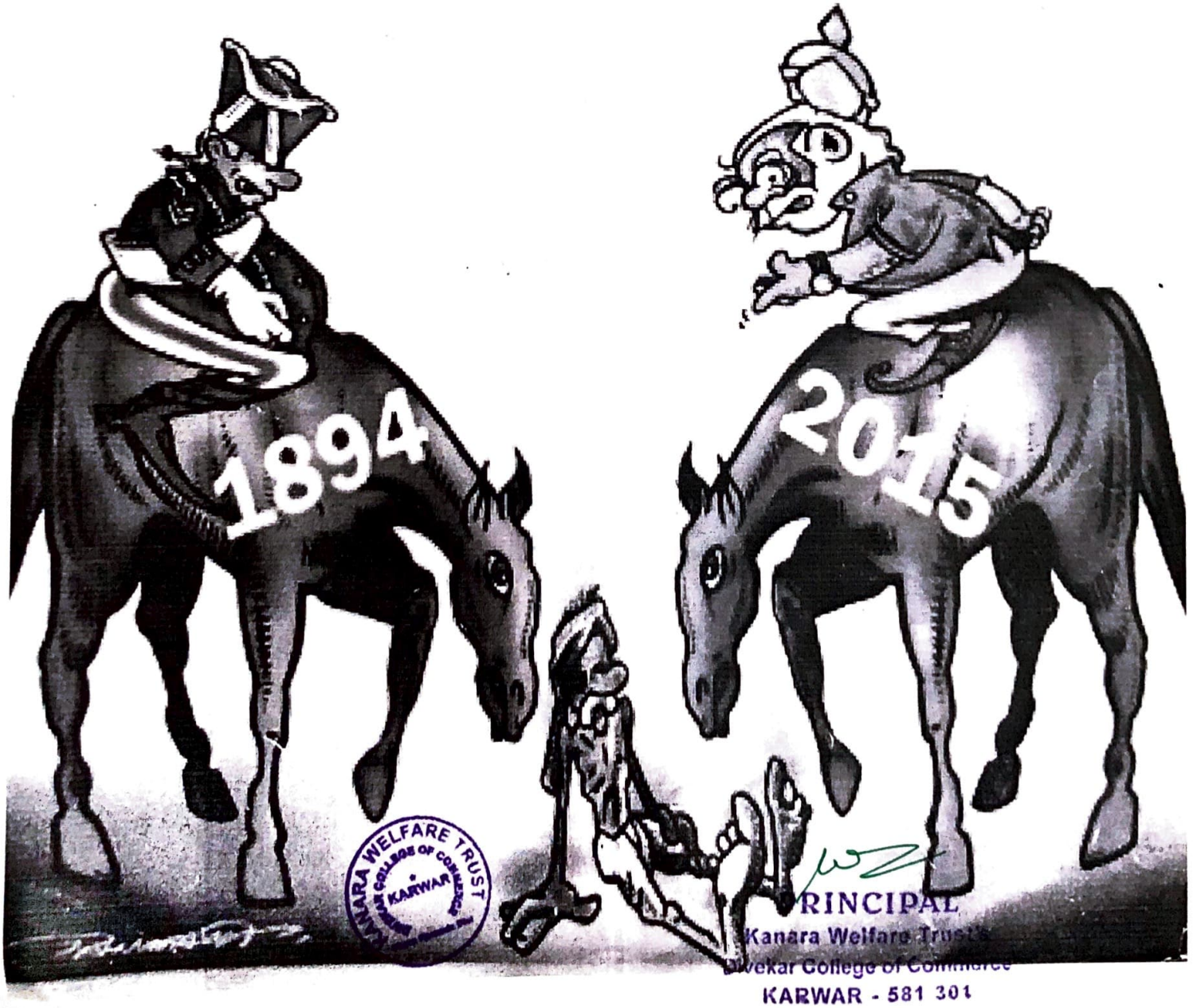

KANARA WELFARE TRUST
KARWAR
PRINCIPAL
Kanara Welfare Trust's
Bivekar College of Commerce
KARWAR - 581 301

है। अपने व्यक्तिगत अनुभव के आधार पर उन्होंने कहा कि अदालतों में बहुजनों और महिलाओं के प्रति संवेदना का अभाव है। उन्होंने अनुसूचित जाति-जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के अंतर्गत कई प्रकरणों में उच्चतम न्यायालय द्वारा दिए गए हास्यास्पद फैसलों को गिनाया। उन्होंने कई उदाहरण देकर यह बताया कि किस प्रकार अब भी महिलाओं को न्यायपालिका में महत्वपूर्ण पदों से वंचित रखा जाता है।

फिल्म निर्माता एवं संस्कृति समीक्षक सुजाता परमिता श्रोताओं को अतीत में ले गईं—उस दौर में जब संस्कृति निर्मित हो रही थी। उन्होंने कहा कि बहुजन ही संस्कृति के निर्माता हैं, परंतु कथित सवर्णों ने धर्म का इस्तेमाल कर लोगों को अपने जाल में फंसाकर गुलाम बना लिया। उनकी संस्कृति पर कब्जा जमा लिया और उन पर शासन करने लगे। उन्होंने कहा कि सरकार को ऐसी नीतियां बनानी चाहिए, जिनसे बहुजन और दलित कलाकारों और कारीगरों को वह सम्मान एवं पहचान मिल सके, जिसके वे हकदार हैं और उन्हें मात्र श्रमिक न समझा जाए।

कुल मिलाकर कार्यकम के दौरान 'ऐसे अनेक विचार सामने आए, जो एक समाज को बदलाव के प्रति जागृत करते हैं" और जो अरुंधति रॉय के अनुसार (बहुजन) साहित्य के मूल तत्व होने चाहिए।

कार्यक्रम में मौजूद थे मीडिया समालोचक अनिल चामड़िया, उपन्यासकार संजीव, कवि मदन कश्यप, विमल कुमार, अशोक कुमार पाण्डेय एवं सुजाता तेवतिया, मानवाधिकार कार्यकर्ता विद्याभूषण रावत, साहित्यकार रजनी तिलक, प्रेमपाल शर्मा, टेकचंद, साहित्यकार और एक्टिविस्ट कौशल पवार, 'दलित मत' के संपादक अशोक दास, समाजशास्त्री अनिल कुमार आदि अनेक गणमान्य लोग।

इस अवसर पर 'द्वितीय महात्मा ज्योतिबा एवं क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले बलीजन रत्न पुरस्कार' इतिहासकार ब्रजरंजन मणि, ए. आर. अकेला (कवि, लोकगायक, लेखक एवं प्रकाशक) एवं डॉ. हीरालाल अलावा (एम्स में सीनियर रेजीडेन्ट एवं जय आदिवासी युवा शक्ति के संस्थापक) को प्रदान किये गये। कार्यक्रम का संचालन स्त्रीकाल के सम्पादक संजीव चंदन ने किया।

सम्पर्क : ए-113, प्रथम तल, पालम एक्सटेंशन (निकट आईसीआईसीआई बैंक), सेक्टर-7, द्वारका, नई दिल्ली-77

ईमेल : janvikalp@gmail.com

कवि की पंक्तियाँ

विश्व जननी

वेद, पुरान, बाइबल, कुरआन
सबने दिया है मुझे बड़ा सम्मान।
हर धर्मग्रथ मे मैंने मुझे पाया
पूजनीय बताया, तुम्हारा स्वार्थ दिखाया
पर मुझ पर मुझ गर्व है।

नारी हूँ, नरक को स्वर्ग बनाना है,
सारे ब्राह्मांड को मुझे ही चलाना है।

आदम को हैवा ने जगाया
यशोदा ने कृष्ण को मक्खन खिलाया
कौशल्या ने राम को दूध पिलाया
गौतमी ने सिद्धार्थ को बुद्ध बनाया
मरियम ने जीजस को शांतिदूत बनाया।

सागर के पेट से मोती निकलते है
मेरे गर्भ में विश्व ज्योति निकलती है
बसवेश्वर, विवेकानंद मेरे ही लाल है,
भगतसिंह, अब्दुल कलाम विश्व मे निशान है।

पुरुषों की जननी तेजस्विनी मैं हूँ,
वीरों की जननी जीजाऊ बी मैं हूँ,
मैंने तुम पर सब कुछ लुटाया,
तुमने मुझे देवी बनाकर मंदिर मे बिठाया,
लक्ष्मी बनाया, दिल बहलाया,
धन, दौलत सब हड़प लिया।

सरस्वती बनाया, संगीत गवाया,
नर्तकी बनाकर मुझे ही नचाया,
नचा–नचाकर दिल बहलाया,
तुम्हारी बुरी नजर मुझे धोखा ही देते आया।

स्वार्थी मानव संभाल अब अपने आपको,
मैं हूँ तो सारा जग शांत, प्रशांत है,
दूर्गा, चंडी, काली न बनाओ मुझे,
बस्स विश्व जननी बनकर रहने दो मुझे।

सध्या दत्ता कदम

सम्पर्क : हिन्दी प्रवक्ता, बापूजी ग्रामीण विकास समिति पदवि पूर्व कला और वाणिज्य कॉलेज सदाशिवगड, कारवार-581352, उत्तर कन्नड, कर्नाटक